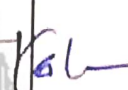


23/11/18 वकील चारी उपरिचत। पत्तावली
रुनी गई। पत्तावली चार्ली निर्णय दिनांक
23/11/18 को पेश हुआ।

23/11/18 वकील चारी उपरिचत। पत्तावली
का समग्र आव के कारण निर्णय चली
लिखवाया जा सका। पत्तावली चार्ली
निर्णय दिनांक 26/11/18 को पेश हो 

26/11/18 वकील चारी उपरिचत। पत्तावली
का अवलोकन किया गया। सदोष रूप में
तथ्य इस प्रकार है कि चारी ने दिनांक
13/11/17 को विरुद्ध प्रतिवारीगण चाड
अन्तर्गत धारा 88, 53 R.P. में इस आशय
का पेश किया कि चारी के पिता को
चारी के दादा मालासिंह से चक नं०
8 K.S.P. के पं नं० 163/315 के कि. म
16 ता 25 की 2.530 है। नमि प्राप्त हुई
थी। चारी व प्रतिवारीगण समुंक्त हिंदु
परिवार के सदस्य हैं। प्रतिवारी नं०
2 ता 4 ने अपना हक व हिस्सा तर्क
कर दिया है। वह अपना हिस्सा नहीं
लेना चाहती है। अब उक्त नमि चारी
व प्रतिवारी नं०। पं० हि० वंके हकदार
है। चारी व प्रतिवारी ने मं० नं० 5 में
द्वि हिस्सा अनुसार नमि का बंटवारा
कर लिया है। मुताबिक चाहमी बंटवारा



सहायक कलक्टर
पंच अग्रजण्डाधिकारी
हनुमानगढ़

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर
जो द्वारा

चाह वाली डिक्ली परमाथाजाव / चाह वाली प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया। प्रतिवादीगण को जरिए सम्मन तलब किया गया। दिनांक 6/7/17 को चाही व प्रतिवादीगण ने उपस्थित होकर राजीनामा पेश किया जो बाद तस्रीन शामिल फाईल किया गया। विइवान अभिभाषक चाही की बहस सुनी गई। पचावली का अवलोकन किया गया। विइवान अभिभाषक चाही की बहस के दौरान तर्क प्रस्तुत किया कि चादगस्त भूमि पेटूक होना साबित है। मुताबिक राजीनामा डिक्ली परमाथाजाव अपने तर्क की पुष्टि में बाद की चाइड में प्रस्तुत चकल जमावरी चक 8K.5.P. खाता सं० 52/42 बहक मालासिंह व बलवृष्टि राजीनामा इत्यादि की और डयान आकर्षित किया। विइवान अभिभाषक चाही की बहस पर मन कर ने एव पचावली के अवलोकन पर यह निष्कर्ष निकला है कि चादगस्त भूमि चाही की पेटूक भूमि होना साबित है। मुताबिक राजीनामा शामिल अन्तिम डिक्ली है। अतः चाह वाली मुताबिक राजीनामा अन्तिम डिक्ली किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि चादगस्त भूमि चक न० 8K.5.P. के प० न० 163/315 कि० न० 16 ता 25 की 2530 है। भूमि के चाही व प्रतिवादी। खातेदर चाइतकार है। मुताबिक राजीनामा उक्त भूमि में से चाही के पास चक न

(64)
 सहायक कलक्टर
 एवं उपखण्डाधिकारी
 नुमानगढ़

8K.S.P. के पत्र नं 163/315 (34) कि. नं
शुता 25 की 6 बीघा वउतिवारी नं
के पास चक्र नं 8K.S.P. के पत्र नं 163/315
(34) कि. नं 16 ता 13 की 4 बीघा भूमि
होगी। इसी अनुसार वाद रहन मुक्त
राजस्व रेकार्ड में एवाता व लगानमलग
कायम किया जावे। तादाद 100/- रु का
स्टाम्प तक्मीलन शामिल जाईल करवाया
जावे। पचा डिक्ली जारी कर सलठनकी
जावे। व्यय वाद उभय पक्ष वारी।
उतिवारीगण सेवय अपना 2 वहन करेणें।
पत्रावली नम्बर से कम की जाकर
वाद तरतीब तक्मील जाब्ता दारिवल
दफ्तर हा। आदेश बसरे इजलास सुनाया
गया।


सहायक कलक्टर
एवं उपखण्डाधिकारी
हनुमानगढ़